उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2020-2021**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी.ए.)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

सेमेस्टर पद्धति (प्रथम सेमेस्टर)

विषय – हिन्दी
Subject : UGHI
कोर्स शीर्षक : हिन्दी गद्य
Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एच.आई.
Subject Code : UGHI
कोर्स कोड : यू.जी.एच.आई–101
Course Code : UGHI-101

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A
खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

प्र0न0 1 'निर्मला' उपन्यास का कथा–सारांश लिखते हुए लेखक का प्रतिपाद्य बताइए। 6

प्र0न0 2 नाट्य–कला के तत्वों की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए। 6

प्र0न0 3 पठित निबन्ध के आधार पर विद्यानिवास मिश्र जी की निबन्ध शैली की विशेषता बताइए। 6

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12
Maximum Marks: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र0न0 4 द्विवेदी युग में हिन्दी गद्य के विकास पर प्रकाश डालिए। 2

प्र0न0 5 रचना दृष्टि की सार्थकता के सन्दर्भ में 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिए। 2

प्र0न0 6 'परदा' कहानी में अभिव्यक्त त्रासदी के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 2

प्र0न0 7 रेखाचित्र और संस्मरण विधाओं का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 2

प्र0न0 8 सामाजिक समस्या प्रधान एकांकी के रूप में 'जोंक' की विवेचना कीजिए। 2

प्र0न0 9 ललित निबन्ध के रूप में 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 2

****

सेमेस्टर पद्धति
उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास (Assignment) **2020-2021**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी.ए.)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय – हिन्दी
Subject : UGHI
कोर्स शीर्षक : हिन्दी काव्य
Course Title :

विषय कोड : यू.जी.एच.आई.
Subject Code : UGHI
कोर्स कोड : यू.जी.एच.आई.–102
Course Code : UGHI-102

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A
खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न।प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

प्र0न0 1 रीतिकालीन हिन्दी कविता की विभिन्न धाराओं का परिचय देते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए। 6

प्र0न0 2 ज्ञानाश्रयी सन्तकाव्य धारा में कबीर के योगदान का वर्णन कीजिए। 6

प्र0न0 3 छायावादी काव्य के रचना –विधान का वैशिष्ट्य बताते हुए इसकी शक्ति और सीमाओं का वर्णन कीजिए। 6

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12
Maximum Marks: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र0न0 4 सूर और तुलसी की भक्ति–पद्धति की तुलना कीजिए। 2

प्र0न0 5 भक्तिकाव्य में मीराबाई के योगदान का वर्णन कीजिए। 2

प्र0न0 6 'अष्टछाप' से आप क्या समझते हैं? 2

प्र0न0 7 रीतिमुक्त कवि के रूप में घनानन्द का मूल्यांकन कीजिए। 2

प्र0न0 8 कवि सुमित्रानन्दन पन्त की काव्ययात्रा के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिए। 2

प्र0न0 9 'कुरूक्षेत्र' के प्रतिपाद्य और अभिव्यंजना शिल्प पर प्रकाश डालिए। 2

****

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अधिन्यास **(Assignment)** **2020-2021**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी0ए0)
Bachelor of Art Programme (B.A.)

सेमेस्टर पद्धति (प्रथम सेमेस्टर)

विषय – संस्कृत
Subject : Sanskrit

विषय कोड : यू.जी.एस.टी
Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम् एवं नीतिशतकम्
कोर्स कोडः यू0जी0एस0टी0 101
Course Title :

Course Code : UGST-101

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य है।
Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answer all questions. All questions are compulsory.

Section – A
खण्ड - अ

अधिकतम अंक : 18
MaximumMarks:18

प्रश्न–1 निम्न श्लोकों का हिन्दी मे अनुवाद कीजिए – 6

(क) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।

(ख) शमप्रधानेषु तपोधनेषु
गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्ता–
स्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति।।

प्रश्न–2 अधोलिखित दो श्लोकों की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए – 6

क) कामं प्रिया न सुलभा मनस्तु तद्भावदर्शनाश्वासि।
अकृतार्थेऽपि मनसिजे रतिमुभयप्रार्थना कुरुते।।

ख) परिग्रहबहुत्वेऽपि द्वे प्रतिष्ठे कुलस्य मे।
समुद्ररसना चोर्वी सखी च युवयोरियम्।।

प्रश्न–3 निम्नलिखित सूक्तियों की व्याख्या कीजिए – 6

(क) सतां हि संदेहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः।
(ख) भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र

Section – B
खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
MaximumMarks:12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न/प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न–4 भर्तृहरि के जीवनवृत्त एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए। 2

प्रश्न–5 अधोलिखित मे से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये – 2
i) सूत्रधार ii) विदूषक iii) अपवारित

प्रश्न–6 नीतिशतक के किसी एक श्लोक को लिखकर उसका भावार्थ समझाइए। 2

प्रश्न–7 निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए – 2

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः।
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

प्रश्न–8 भर्तृहरि ने विद्या के विषय में क्या कहा है ? 2

प्रश्न–9 अभिज्ञानशाकुन्तल का कोई एक श्लोक, जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो, लिख कर उसमें प्रयुक्त अलंकार तथा छन्द बताइए।